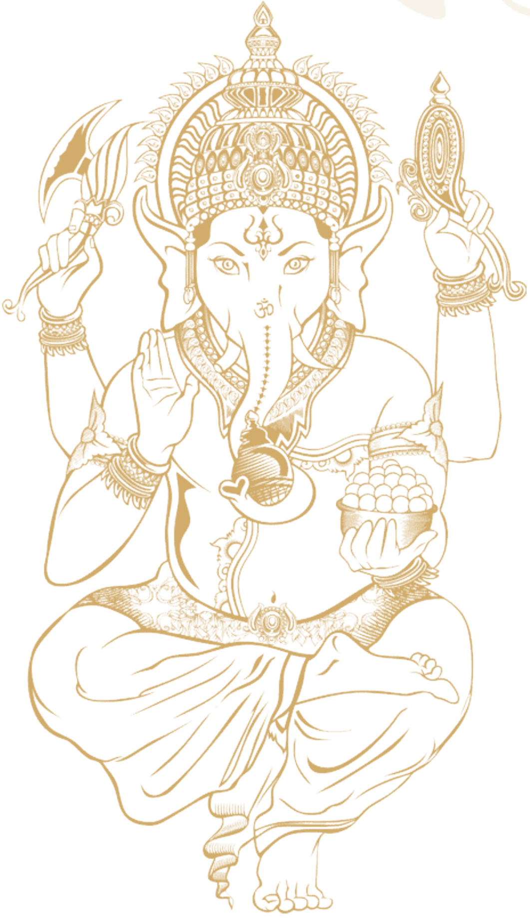

Vivek

27 Jul 1997

02:12 PM

Deoband

Model: web-freekundliweb

Order No: 121283111

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/07/1997**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:12:00 घंटे**
इष्ट	21:30:22 घटी
स्थान	**Deoband**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	77:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:52:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	10:12:57 घंटे
सूर्योदय	05:35:51 घंटे
सूर्यास्त	19:15:21 घंटे
दिनमान	13:39:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:31:57 कर्क
लग्न के अंश	00:33:01 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:33:01	305:01:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	10:31:57	00:57:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मेष	18:04:57	13:36:08	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल			कन्या	25:30:31	00:34:11	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	06:36:06	01:16:03	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	24:51:50	00:07:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	10:45:47	01:12:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:30:48	00:00:33	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:00:42	00:00:46	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:00:42	00:00:46	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:58:18	00:02:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:34:54	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:05:03	00:00:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	07:22:52	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:22

लग्न-चलित

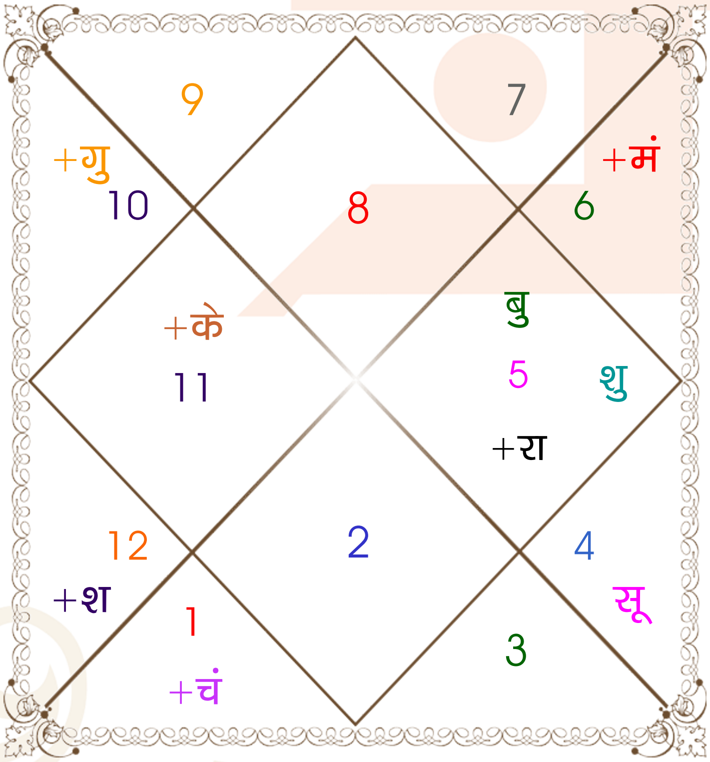

चन्द्र कुंडली

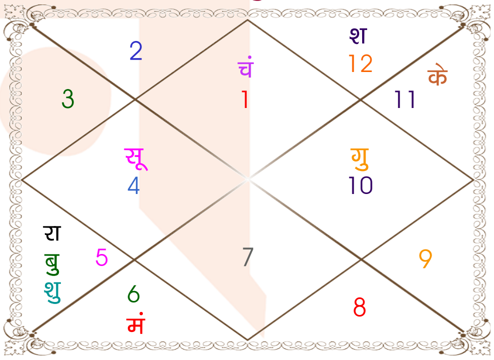

नवमांश कुंडली

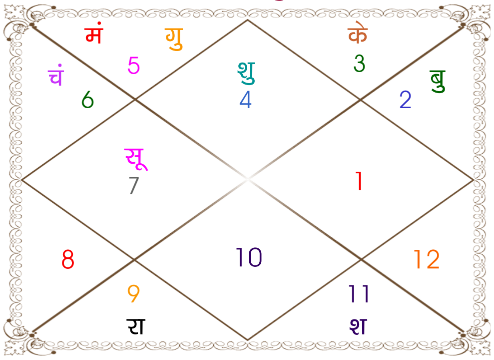

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 10 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
27/07/1997	12/06/2010	12/06/2016	12/06/2026	12/06/2033
12/06/2010	12/06/2016	12/06/2026	12/06/2033	12/06/2051
00/00/0000	सूर्य 30/09/2010	चंद्र 12/04/2017	मंगल 08/11/2026	राहु 23/02/2036
00/00/0000	चंद्र 31/03/2011	मंगल 11/11/2017	राहु 27/11/2027	गुरु 19/07/2038
27/07/1997	मंगल 06/08/2011	राहु 13/05/2019	गुरु 02/11/2028	शनि 25/05/2041
मंगल 12/08/1997	राहु 30/06/2012	गुरु 11/09/2020	शनि 11/12/2029	बुध 12/12/2043
राहु 11/08/2000	गुरु 18/04/2013	शनि 12/04/2022	बुध 09/12/2030	केतु 30/12/2044
गुरु 12/04/2003	शनि 31/03/2014	बुध 12/09/2023	केतु 07/05/2031	शुक्र 30/12/2047
शनि 12/06/2006	बुध 05/02/2015	केतु 12/04/2024	शुक्र 06/07/2032	सूर्य 23/11/2048
बुध 12/04/2009	केतु 12/06/2015	शुक्र 11/12/2025	सूर्य 11/11/2032	चंद्र 25/05/2050
केतु 12/06/2010	शुक्र 12/06/2016	सूर्य 12/06/2026	चंद्र 12/06/2033	मंगल 12/06/2051

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
12/06/2051	12/06/2067	12/06/2086	13/06/2103	13/06/2110
12/06/2067	12/06/2086	13/06/2103	13/06/2110	00/00/0000
गुरु 31/07/2053	शनि 15/06/2070	बुध 08/11/2088	केतु 10/11/2103	शुक्र 13/10/2113
शनि 11/02/2056	बुध 22/02/2073	केतु 05/11/2089	शुक्र 09/01/2105	सूर्य 13/10/2114
बुध 19/05/2058	केतु 03/04/2074	शुक्र 05/09/2092	सूर्य 16/05/2105	चंद्र 13/06/2116
केतु 25/04/2059	शुक्र 03/06/2077	सूर्य 12/07/2093	चंद्र 16/12/2105	मंगल 28/07/2117
शुक्र 24/12/2061	सूर्य 16/05/2078	चंद्र 12/12/2094	मंगल 14/05/2106	00/00/0000
सूर्य 12/10/2062	चंद्र 15/12/2079	मंगल 09/12/2095	राहु 01/06/2107	00/00/0000
चंद्र 11/02/2064	मंगल 23/01/2081	राहु 27/06/2098	गुरु 07/05/2108	00/00/0000
मंगल 17/01/2065	राहु 30/11/2083	गुरु 03/10/2100	शनि 16/06/2109	00/00/0000
राहु 12/06/2067	गुरु 12/06/2086	शनि 13/06/2103	बुध 13/06/2110	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 11 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।